पुलिस के दमनात्मक रवैये के विरोध में आन्दोलन

गोरखपुर, 13 जून, 2014। गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ जी महाराज जनहित के अलावा अन्य क्षेत्रों में किसी कारण से आमजन का अहित होने की स्थिति में चुप नहीं बैठते। हाल ही में पुलिस द्वारा जो दमनकारी रुख अपनाया गया उसके विरोध में डीएम कार्यालय पर सांकेतिक धरना भी आयोजित किया गया। धरने को सम्बोधित करते हुए योगी जी ने कहा कि गोरखपुर पुलिस रक्षक के भेष में भक्षक की भूमिका निभा रही है। आम जनता की रक्षा करना तो दूर वह पीड़ितों को ही प्रताड़ित कर रही है और अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। यदि गोरखपुर पुलिस का दमनात्मक रवैया नहीं बदला तो अत्याचार, अनाचार और उत्पीड़न के विरोध में जनता सड़कों पर भीषण संघर्ष करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी गोरखपुर प्रशासन की होगी।

उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश जंगलराज से झुलस रहा है, थाने बिक रहे हैं। सत्ता के संरक्षण में समाजवादी पार्टी के गुण्डे पुलिस की मिलीभगत से आतंक फैला कर धनदोहन कर रहे हैं। गोरखपुर महानगर एवं जनपद में घट रहीं लूटपाट, अपहरण, हत्या, डकैती, छिनैती, दुराचार, अवैध खनन की घटनाएँ इसका प्रमाण हैं। ऐसे अनेक मामले संज्ञान में आये हैं जिनमें पुलिस ने अपने अपराध को छिपाने के लिए पीड़ित पक्ष पर ही मुकदमा दर्ज कर दिया।

योगी जी ने गोरखपुर पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि हम अत्याचार और अन्याय नहीं करते हैं ऐसे में प्रशासन यह सुनिश्चित कर ले कि हम अत्याचार और अन्याय बर्दाश्त भी नहीं करेंगे।

धरना-प्रदर्शन के दौरान योगी जी ज्ञापन देने के लिए स्वयं पीड़ितों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय में पहुँचे। जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, एस.पी. सिटी, सी.ओ. कैण्ट सहित तमाम अधिकारियों की उपस्थिति में शुरू हुई वार्ता के क्रम में सबसे पहले योगी जी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अनुपस्थिति पर रोष जताते हुए उनकी संवेदनशीलता पर प्रश्न किया। योगी जी ने एस.पी. सिटी, थानाध्यक्ष पिपराइच, शाहपुर, गुलरिहा, पीपीगंज, चिलुआताल, खोराबार सहित अनेक थानाध्यक्षों की कार्यप्रणाली और

व्यवहार पर प्रश्न उठाते हुए उन पर आरोप लगाया। जिलाधिकारी से जनता की व्यथा व्यक्त करते हुए योगी जी ने कंचनपुर में पुलिस की ज्यादती, जय सिंह साहनी अपहरण, प्रमुख गोरख सिंह पर अवैध पुलिस ज्यादती, राजा यादव उर्फ संतोष हत्याकाण्ड, प्रधान हेमन्त सिंह की हत्या की नीयत से आये बदमाशों को छोड़कर प्रधान को ही जेल भेज देने, अंकुर सिंह की सिर फोड़कर की गयी हत्या, लाला साहनी की हत्या का मुकदमा नहीं दर्ज होना, सुनील यादव मामले में सभी अभियुक्तों का गिरफ्तार न होना, भाजपा नेता राधेश्याम सिंह पर दर्ज फर्जी मुकदमे, अवैध खनन, शराब के अवैध कारोबार आदि सहित सभी घटनाओं का सिलसिलेवार व्यौरा जिलाधिकारी को दिया। उन्होंने पीड़ित लोगों से सीधे जिलाधिकारी से वार्ता कराई।

योगी जी ने कहा कि जनपद की पुलिस का गैर जिम्मेदाराना रवैया टकराहट पैदा करने वाला है। अच्छा होगा कि वह अपने संवैधानिक जिम्मेदारियों को समझे।

घटनाक्रम और पीड़ित पक्षों को सुनने के बाद जिलाधिकारी गोरखपुर ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उनकी कारगुजारियों के कारण पुलिस जनता का विश्वास खो रही है। बार-बार चेतावनी के बाद भी क्यों सिस्टम नहीं बदल रहा है। उन्होंने प्रश्न किया कि थाने प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज करते हैं? क्यों डरते हैं प्राथमिकी दर्ज करने में?

वार्ताक्रम में बाद में आये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में दोपहर 1.30 बजे योगी जी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री शिव प्रताप शुक्ल की उपस्थिति में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी ने घटनाओं से सम्बद्ध मामलों के शीघ्र न्यायोचित ढंग से निस्तारण का आश्वासन दिया।

लोग सड़क पर उतरें इसके पूर्व रवैया सुधारे पुलिस

डीएम दफ्तर पर सभा को संबोधित करते सदर सांसद योगी आदित्यनाथ।

- पीड़ितों को इंसाफ देने की बजाए उनको मुजरिम बनाने से बाज आए पुलिस : योगी
- डीएम ने लिया ज्ञापन, भरोसा दिया कि पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा

जिलाधिकारी व एसएसपी को ज्ञापन सौंपते योगी। जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : **गोरखपुर** समेत पूरे उप्र में ध्वस्त कानून-व्यवस्था के विरोध में सांसद योगी आदित्यनाथ की अगुआई में यहां डीएम कार्यालय पर धरना दिया गया। सभा हुई और ज्ञापन दिया गया।

बतौर मुख्य अतिथि योगी ने कहा, रक्षक के भक्षक बनने की भूमिका को गोरखपुर पुलिस चरितार्थ कर रही है। लोगों की रक्षा करने की जगह वह पीड़ितों को ही प्रताड़ित कर रही है। यदि पुलिस का रवैया नहीं बदला तो उसके खिलाफ आर-पार का जनआंदोलन छेड़ा जाएगा। थाने बिक रहे हैं। सत्ता के संरक्षण में पुलिस की मिलीभगत से आतंक फैला कर धनादोहन हो रहा है। जिले व महानगर में बेतहाशा बढ़े अपराध इसके सबूत हैं। कई ऐसे मामलों में पुलिस ने अपनी भूमिका पर लीपापोती के लिए पीड़ितों को ही मुजरिम बना दिया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रताप शुक्ल ने कहा, जिस प्रदेश के पुलिस का मुखिया दुष्कर्म की घटनाओं को सामान्य घटना कहे। वहां के कानून-व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा खेलकूद प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सहसंयोजक राकेश सिंह पहलवान ने कहा, सपा के बड़े नेताओं और पुलिस के आला अफसरों के अपराधों के प्रति हल्के और हास्यास्पद बयान अपराधियों के लिए खाद-पानी का काम कर रहे हैं। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा, उत्तम प्रदेश का ख्वाब दिखाकर सत्ता में आने वाली सपा ने इसे अपराध का प्रदेश बना दिया।

धरना-प्रदर्शन के दौरान ही पीड़ितों को साथ लेकर एक प्रतिनिधिमंडल के साथ योगी ज्ञापन देने डीएम के पास गए। यहां एडीएम सिटी, एसपी सिटी, सीओ कैंट आदि मौजूद थे। योगी ने एसएसपी की गैरमौजूदगी पर आपत्ति जताई। वार्ता के क्रम में उन्होंने एसपी सिटी, पिपराइच, शाहपुर, गुलरिहा, पीपीगंज, चिलुआताल और खोराबार सहित कुछ अन्य थानाध्यक्षों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। उन्होंने डीएम को कंचनपुर में और प्रमुख गोरख सिंह पर पुलिस की ज्यादती, जय सिंह साहनी के अपहरण, राजा यादव/संतोष हत्या कांड, प्रधान हेमंत सिंह की हत्या के लिए आए बदमाशों को छोड़कर प्रधान को ही जेल भेजने, अंकुर सिंह, और लाला साहनी की हत्या का मुकदमा न दर्ज दर्ज करने। सुनील यादव मामले में सभी अभियुक्तों का गिरफ्तार न होने, भाजपा नेता राधेश्याम सिंह पर दर्ज फर्जी मुकदमे, अवैध खनन और शराब के कारोबार की घटनाओं के बारे में बताया। पीड़ितों की भी डीएम से बात कराई।